Roll No. ……..

COF–02

Organic Farming Practice and Cultivation

Certificate in Organic Farming (CCOF–16)

First Semester, Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 35**

नोट : यह प्रश्न पत्र पैंतीस (35) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े सात ($7\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पर्वतीय क्षेत्रों में बेमौसमी जैविक सब्जी उत्पादन करने हेतु उपयुक्त महत्त्वपूर्ण सुझाव विस्तार से लिखिए।
2. जैविक खेती में दीमक नियन्त्रण के बारे में विस्तार से लिखिए।
3. जैविक खेती में आने वाली समस्याओं को विस्तार से लिखिए।
4. जैव उर्वरकों के प्रयोग में सावधानी क्यों आवश्यक होती है ? विस्तार से लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए ढाई ($2\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. राइजोबियम कल्चर का प्रयोग किन-किन फसलों के लिये किया जाता है तथा यह किस प्रकार सहायक है ? लिखिए।
2. जैविक खेती के अन्तर्गत खरपतवारों का किस प्रकार नियन्त्रण किया जाता है ? लिखिए।
3. जैविक खेती को किस प्रकार बढ़ावा दिया जा सकता है ? लिखिए।
4. मृदा सौर्यीकारण क्या है तथा इसके क्या लाभ हैं ? लिखिए।
5. जैविक खेती में कीटों का नियन्त्रण किस प्रकार किया जाता है ? लिखिए।
6. जैविक खेती एवं अकार्बनिक खेती में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
7. जैविक खेती में सब्जी उत्पादन पर किस प्रकार प्रभाव पड़ता है ?
8. जैविक विधि से दीमक का नियन्त्रण किस प्रकार किया जाता है ? लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा ($\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. जैविक खेती में कौन-सी खाद इस्तेमाल की जाती है ?

   (अ) डी. ए. पी.

(ब) एन. पी. के.

(स) यूरिया

(द) कार्बनिक खाद

2. भारत में प्रथम व्यवस्थित कार्बनिक खाद की कम्पोस्ट इंदौर में किस सन् में बनी थी ?

(अ) 1910 (ब) 1920

(स) 1930 (द) 1940

3. पलवार किस पद्धति को कहते हैं ?

(अ) खेतों में हरी खाद बोना

(ब) खेतों में दलहनी फसल बोना

(स) खेतों में तैयार कम्पोस्ट बुरकाव करना

(द) खेतों से प्राप्त खरपतवार को उखाड़कर पुनः खेत में बुरकाव करना

4. पलवार से खेतों को क्या लाभ होता है ?

(अ) भूमि की सजीवता बनी रहती है।

(ब) सूक्ष्म जीवों का संवर्धन बढ़ जाता है।

(स) भूमि से जल का वाष्पन कम होता है।

(द) उपर्युक्त सभी बिन्दु।

5. हरी खाद खेतों को देने से क्या लाभ होता है ?

(अ) पौधों को फास्फोरस की मात्रा मिलती है।

(ब) पौधों को नाइट्रोजन की मात्रा मिलती है।

(स) पौधों को पोटाश की मात्रा मिलती है।

(द) उपर्युक्त सभी बिन्दु

6. हरी खाद इस्तेमाल करने के लिए किन दलहनी फसलों को खेत में बोया जाता है ?

(अ) ढैंचा (ब) गेहूँ

(स) धान (द) गन्ना

7. इन्दौर विधि के कम्पोस्ट में किस आकार का ढाँचा बनाया जाता है ?

(अ) चौकोर (ब) आयताकार

(स) गोल (द) लम्बा

8. नाडेप विधि के कम्पोस्ट जनक का क्या नाम है ?

(अ) नारायण देव राय

(ब) नारायण देवराय पण्डरीय पाण्डे

(स) नारायण देशमुख पाण्डे

(द) नारायण देव देशमुख पाण्डे

9. नाडेप विधि का कम्पोस्ट किस स्थान से प्रचलन में आया था ?

(अ) इन्दौर, मध्य प्रदेश

(ब) जयपुर, राजस्थान

(स) पूना, महाराष्ट्र

(द) यवतमाल, महाराष्ट्र

10. कार्बनिक खाद बनाने के लिए किस वस्तु का प्रयोग किया जाता है ?

(अ) कागज अवशेष

(ब) फैक्टरी अवशेष

(स) फसल अवशेष

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं